

कृषि क्षेत्र में क्रांति का सूत्रपात है 10,000 एफपीओ बनाने की योजना

10,000 एफपीओ की योजना कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रांति का सूत्रपात: नरेन्द्र सिंह

केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर के आतिथ्य में हुआ क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठनों का राष्ट्रीय सम्मेलन



**-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
नई दिल्ली।** देश में बनाए जा रहे 10 हजार कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) की स्कीम को सुचारू रूप से लागू करने के संबंध में क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठनों (सीबीबीओ) का राष्ट्रीय सम्मेलन आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में एफपीओ बनाने की योजना कृषि के क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रांति का सूत्रपात है। इस क्रांति के माध्यम से, बुआई से बाजार तक किसानों को सक्षम बनाकर उनकी आमदनी बढ़ाना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि एफपीओ से किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सीबीबीओ को हर जतन करना होगा। एफपीओ की परिकल्पना तब पूरी होगी, जब एफपीओ बनने के बाद उसका लाभ किसानों को मिलने लगे

तथा केसर की तरह उसकी खुशबू फैले और सारे किसान कहें कि हम भी एफपीओ से जोड़िए व आगे नए एफपीओ गठन के लिए सरकार से मांगें। सीबीबीओ को सरकार साधन दे रही है, जिससे अच्छे परिणाम आना चाहिए। सीबीबीओ इसलिए बनाए गए हैं क्योंकि वे इस विषय में विशेषज्ञ हैं, जागरूकता फैला सकते हैं, किसानों को खेती में टेक्नालाजी दे सकते हैं, किसान अच्छ-गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करें, इस दृष्टि से मार्गदर्शन कर सकते हैं और किसानों को वाजिब दाम दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। श्रेष्ठ एफपीओ के गठन के लिए सीबीबीओ को सभी को साथ लेकर कार्य करना चाहिए।

श्री तोमर ने कहा कि देश में पहले लगभग 7 हजार एफपीओ बने थे, लेकिन अधिकतर टिकाऊ नहीं हो पा रहे थे, इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई योजना लेकर आए। एफपीओ छोटे किसानों के संगठन है। इस पूरी

योजना पर सरकार 6,865 करोड़ रुपये खर्च करेगी। देश में लगभग 86 प्रतिशत छोटे किसान हैं, जिन्हें एफपीओ के माध्यम से आदान उपलब्ध कराने से लेकर प्रोसेसिंग व उपज की बाजार में उचित दाम पर बिक्री में सहयोग जैसी सुविधाएं दिलाना सरकार का उद्देश्य है। एफपीओ किसानों की संगठन शक्ति के प्रतीक है। श्री तोमर ने कहा कि आज हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, इसमें हमें पुराने संकल्प पूरे करना है और नए संकल्प लेकर आगे बढ़ना है। देश में खेती को उन्नत बनाने, अस्मृतुलन दूर करने व किसानों की माली हालत सुधारने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सरकार हरसंभव उपाय कर रही है। किसानों की सुविधा के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं प्रभावी की गई हैं। एक लाख करोड़ रुपये के कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से किसानों के लिए सरकार गांव-गांव सुविधाएं जुटाने के

लिए प्रयत्नशील है। ऐसी कई योजनाएं हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि एफपीओ की स्कीम में सीबीबीओ महत्वपूर्ण कड़ी है, ये ठान लें तो उद्देश्य की प्राप्ति जरूर होगी। कुल मिलाकर, उद्देश्य यह है कि किसानों को लाभ पहुंचे। श्री चौधरी ने एफपीओ से अधिकाधिक किसानों को जोड़े जाने की अपेक्षा जताई और कहा कि इस संबंध में सरकार द्वारा बनाई गई गाइड लाइन के अनुसार कार्य किया जाना चाहिए। साथ ही केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी भी एफपीओ के माध्यम से किसानों तक पहुंचाई जाना चाहिए। इस अवसर पर एसएफएसी, नाबार्ड, एनसीडीसी, नैफेड, एपीएमएएस, ई एंड वाई, एक्सजे डेवलपमेंट सर्विसेज, ग्रांट थार्नटन व अन्य कंपनियों के अधिकारी व देशभर से आए सीबीबीओ के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बुआई से बाजार तक किसानों को सक्षम बनायेंगे एफपीओ

सक्षम नाते रिश्तेदार कहां एकजुट हुए रहना व माताम में बदल गया। और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रकार की घटनाओं को रोका जा किसान को इसमें कोई न फरिद 11 से 12 के बीच उनका एक रिश्ते के फायदा होने से परिजन शायी पोरसा धाना प्रभाती रामपाल रिश्ते सके। है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री तोमर के आतिथ्य में हुआ वलस्टर आधारित व्यावसायिक संगठनों का राष्ट्रीय सम्मेलन

10,000 एफपीओ की योजना कृषि क्षेत्र में अग्रगण्य क्रांति का सूत्रपात- श्री तोमर बुआई से बाजार तक किसानों को सक्षम बनाकर उनकी आमदनी बढ़ाना इस योजना का उद्देश्य

ने दिल्ली, एनईसी। देश में बनार जब 10 हजार कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) की स्कीम को सुचारु रूप से लागू करने के संघर्ष में वलस्टर आधारित व्यावसायिक संगठनों (सीबीबीओ) का राष्ट्रीय सम्मेलन आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के प्रमुख आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि इसी बड़े सत्र में एफपीओ बनाने की योजना कृषि के क्षेत्र में अग्रगण्य क्रांति का सूत्रपात है। इस क्रांति के माध्यम से, बुआई से बाजार तक किसानों को सक्षम बनाकर उनकी आमदनी बढ़ाना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि एफपीओ से किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सीबीबीओ को हर जगह बनाना होगा। एफपीओ को पारिवारिकता तब पूरी होगी, जब एफपीओ बनने के बाद उसका लाभ किसानों को मिलने लगे तथा केसर को तब उसकी शुरुआत करने और सारा किसान बड़े कि इस भी एफपीओ से जोड़ेंगे व अगे नए एफपीओ बनने के लिए सक्षम से मांगेंगे। सीबीबीओ को सरकार सक्षम दे रही है, जिसमें अच्छे परिणाम आना चाहिए। सीबीबीओ इसलिए बनना जरूरी है क्योंकि वे इस विश्व में निरंतर हैं, आवश्यकता फैला सकते हैं, किसानों को छोटी में टेकनोलॉजी दे सकते हैं, किसान अच्छ-

गुणवत्तापूर्ण उत्पादन करें, इस दृष्टि से मार्गदर्शन कर सकते हैं और किसानों को वित्तीय धम दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वेद एफपीओ के गठन के लिए सीबीबीओ को सही को मांग



लेकर कार्य करना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि देश में पहले लगभग 7 हजार एफपीओ बने थे, लेकिन अधिकतर टिकाऊ नहीं हो पा रहे थे, इसलिए प्रथममंत्री श्री नरेंद्र मोदी नई योजना लेकर आए। एफपीओ छोटे किसानों के संगठन है। इस पूरी योजना पर सरकार 6,865 करोड़ रुपये खर्च करेगी। देश में लगभग 86 प्रतिशत छोटे किसान हैं, जिनमें एफपीओ के माध्यम से आयदा उपलब्ध बनाने से लेकर प्रोसेसिंग व उनका बाजार में उचित धम पर फिरो में सलोग जैसी सुविधाएं मिलना सरकार का उद्देश्य है। एफपीओ

किसानों की संगठन शक्ति के प्रतीक है। श्री तोमर ने कहा कि अगर हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, इसमें हमें पुराने संकल्प पूरे करना है और नए संकल्प लेकर आने बहना है। देश में खेती को उन्नत बनाने, असंतुलन दूर करने व किसानों की माली इलाज सुधारने के लिए प्रथममंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सरकार हार्दिकता प्रदर्शित कर रही है। किसानों की सुविधा के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं प्रभावी की गई हैं। एक लाख करोड़ रुपये के कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से किसानों के लिए सरकार गांव-गांव सुविधाएं जुटाने के लिए प्रयासरत है। ऐसी कई योजनाएं हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री किरण प्रभाती ने कहा कि एफपीओ की स्कीम में सीबीबीओ महत्वपूर्ण कड़ी है, ये जान लें तो उद्देश्य को प्रति जकर होगा। कुल मिलाकर, उद्देश्य यह है कि किसानों को लाभ पहुंचे। श्री प्रभाती ने एफपीओ से अर्थव्यवस्था किसानों को जोड़े जाने की अपेक्षा नवाई और कहा कि इस संघर्ष में सरकार द्वारा नवाई गई राह लाने के अनुसार कार्य किए जान चाहिए। साथ ही वेद सरकार की किसान रिगोरी योजनाओं को जानकारी भी एफपीओ के माध्यम से किसानों तक पहुंचाई जाना चाहिए। लघु कृषक कृषि व्यवहार संघ (एफएफएससी) की एगर्टे ऑपरेटिंग नीतिगतन राशारी ने सम्मेलन की भूमिका प्रस्तुत की। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री अशोक निश्री ने सीबीबीओ से सरकार की अंशदाएं बलाई। संयुक्त सचिव डॉ. श्रीमती विजय लक्ष्मी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि योजना में पहले से ही प्राथमिकता तैयार किया-किसान एनईसीसी- नरेंद्र, एफएफएससी व एनसीसीसी सहित 13 विद्यमान एनईसीसी को जमिन किया गया है।

कृषि क्षेत्र में अग्रगण्य क्रांति का सूत्रपात है। इस क्रांति के माध्यम से, बुआई से बाजार तक किसानों को सक्षम बनाकर उनकी आमदनी बढ़ाना इस योजना का मुख्य उद्देश्य है। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि एफपीओ से किसानों को समृद्ध बनाने के लिए सीबीबीओ को हर जगह बनाना होगा। एफपीओ को पारिवारिकता तब पूरी होगी, जब एफपीओ बनने के बाद उसका लाभ किसानों को मिलने लगे तथा केसर को तब उसकी शुरुआत करने और सारा किसान बड़े कि इस भी एफपीओ से जोड़ेंगे व अगे नए एफपीओ बनने के लिए सक्षम से मांगेंगे। सीबीबीओ को सरकार सक्षम दे रही है, जिसमें अच्छे परिणाम आना चाहिए। सीबीबीओ इसलिए बनना जरूरी है क्योंकि वे इस विश्व में निरंतर हैं, आवश्यकता फैला सकते हैं, किसानों को छोटी में टेकनोलॉजी दे सकते हैं, किसान अच्छ-

CBBO to promote formation of 10,000 Farmer Producer Organisation



National conference of cluster based business organisations (CBBOs) under central sector scheme of formation



The beginning of the revolution in the agriculture sector is the plan to create 10,000 FPOs

